

आया आया शरण तेरी साँवरे भजन लिरिक्स



आया आया शरण तेरी साँवरे,
तेरे चरणों का एक अभिलाषी,
दे दे दर्शन हमें तू साँवरे,
तेरे चरणों का मैं एक अभिलाषी।bd।

पूजा अर्चन तेरी में जानू प्रभु,
फिर भी कृपा तुम्हारी हमें चाहिए,
जिस भी हूँ हूँ तो तुम्हारा प्रभु,
तेरे चरणों का एक अभिलाषी।bd।

जीव्हा लेती नहीं नाम तेरा कभी,
न ही हाथों से माला तुम्हारी जपी,
न व्रत तप किये मैंने प्रभुवर तेरे,
फिर भी चरणों का तेरे में अभिलाषी।bd।

जन्मो जन्मो का 'राजेन्द्र' बड़ा पातकी,
तेरी कृपा के काबिल नहीं हूँ मगर,
मैं भला या बुरा जैसा भी हूँ तेरा,
तेरे चरणों का हूँ एक अभिलाषी।bd।

आया आया शरण तेरी साँवरे,
तेरे चरणों का एक अभिलाषी,
दे दे दर्शन हमें तू साँवरे,
तेरे चरणों का मैं एक अभिलाषी।bd।

गीतकार / गायक-राजेन्द्र प्रसाद सोनी।
8839262340
